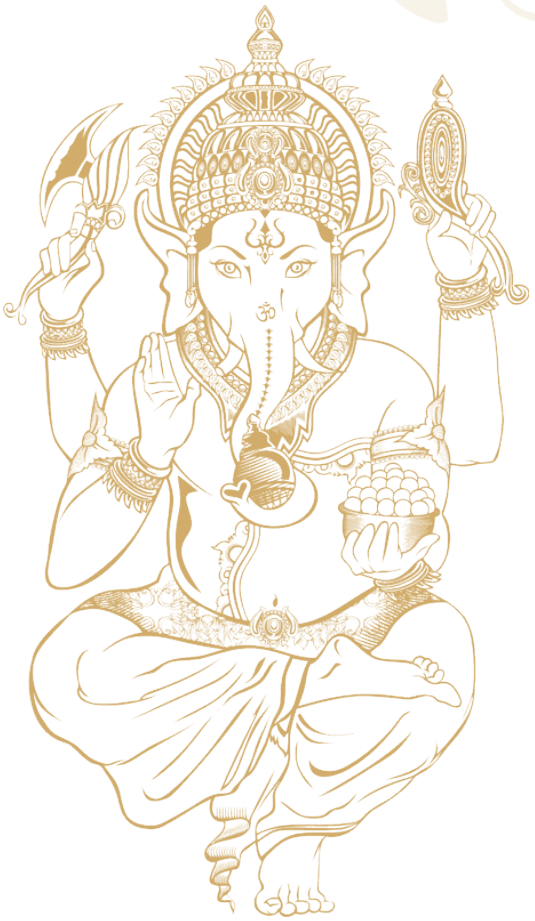

Havi

07 Nov 2020

09:57 AM

Bahror

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786420

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/11/2020**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:57:00 घंटे**
इष्ट	08:09:55 घटी
स्थान	**Bahror**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:50:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:31:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:21 घंटे
साम्पातिक काल	12:39:02 घंटे
सूर्योदय	06:41:01 घंटे
सूर्यास्त	17:36:58 घंटे
दिनमान	10:55:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:04:30 तुला
लग्न के अंश	02:41:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:41:14	326:58:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	21:04:30	01:00:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	04:19:52	12:49:00	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल	व		मीन	21:24:17	00:05:31	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	02:47:54	00:34:56	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			धनु	27:48:31	00:09:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			कन्या	18:10:16	01:13:25	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			मक	02:25:42	00:03:42	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु			वृष	26:15:09	00:01:35	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	26:15:09	00:01:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	14:16:22	00:02:27	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	24:09:11	00:00:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	28:37:14	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	16:28:09	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:36

लग्न-चलित

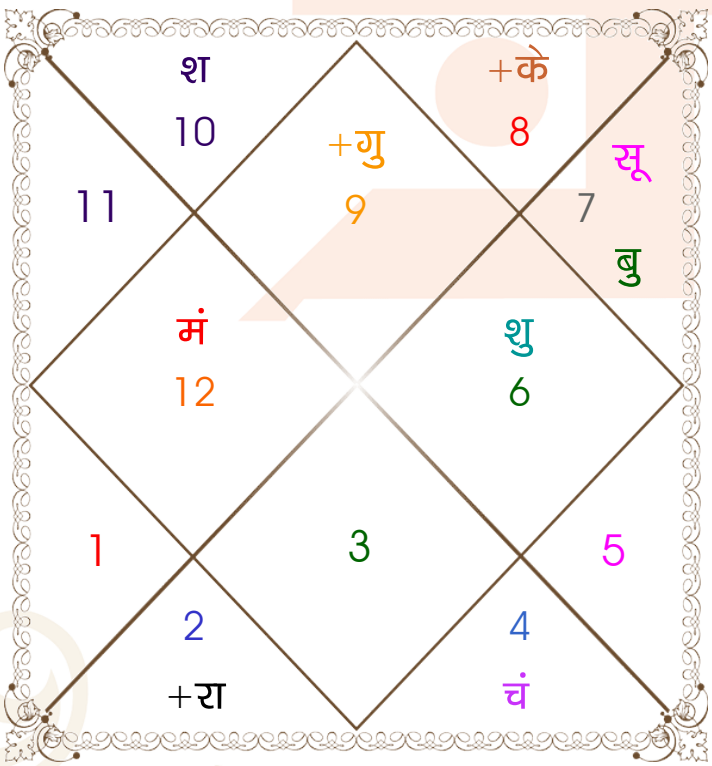

चन्द्र कुंडली

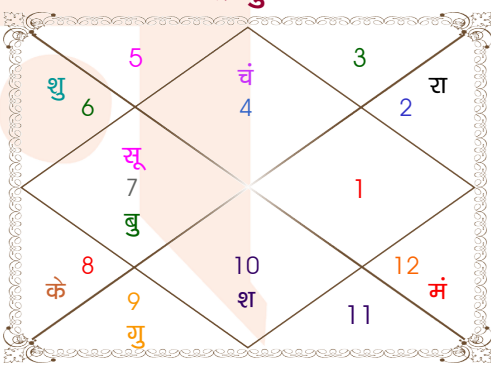

नवमांश कुंडली

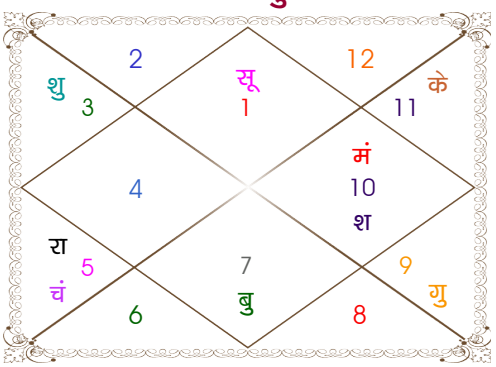

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 6 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/11/2020		06/06/2038		07/06/2055		06/06/2062		06/06/2082	
06/06/2038		07/06/2055		06/06/2062		06/06/2082		06/06/2088	
शनि	09/06/2022	बुध	02/11/2040	केतु	03/11/2055	शुक्र	06/10/2065	सूर्य	24/09/2082
बुध	16/02/2025	केतु	30/10/2041	शुक्र	02/01/2057	सूर्य	06/10/2066	चंद्र	25/03/2083
केतु	28/03/2026	शुक्र	30/08/2044	सूर्य	10/05/2057	चंद्र	06/06/2068	मंगल	31/07/2083
शुक्र	28/05/2029	सूर्य	06/07/2045	चंद्र	09/12/2057	मंगल	06/08/2069	राहु	24/06/2084
सूर्य	10/05/2030	चंद्र	06/12/2046	मंगल	07/05/2058	राहु	06/08/2072	गुरु	12/04/2085
चंद्र	09/12/2031	मंगल	03/12/2047	राहु	25/05/2059	गुरु	07/04/2075	शनि	25/03/2086
मंगल	17/01/2033	राहु	22/06/2050	गुरु	30/04/2060	शनि	06/06/2078	बुध	30/01/2087
राहु	24/11/2035	गुरु	26/09/2052	शनि	09/06/2061	बुध	06/04/2081	केतु	07/06/2087
गुरु	06/06/2038	शनि	07/06/2055	बुध	06/06/2062	केतु	06/06/2082	शुक्र	06/06/2088

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/06/2088		06/06/2098		07/06/2105		08/06/2123		08/06/2139	
06/06/2098		07/06/2105		08/06/2123		08/06/2139		00/00/0000	
चंद्र	06/04/2089	मंगल	02/11/2098	राहु	18/02/2108	गुरु	26/07/2125	शनि	08/11/2140
मंगल	05/11/2089	राहु	21/11/2099	गुरु	14/07/2110	शनि	06/02/2128		00/00/0000
राहु	07/05/2091	गुरु	28/10/2100	शनि	20/05/2113	बुध	14/05/2130		00/00/0000
गुरु	05/09/2092	शनि	07/12/2101	बुध	07/12/2115	केतु	20/04/2131		00/00/0000
शनि	06/04/2094	बुध	04/12/2102	केतु	25/12/2116	शुक्र	19/12/2133		00/00/0000
बुध	06/09/2095	केतु	02/05/2103	शुक्र	25/12/2119	सूर्य	07/10/2134		00/00/0000
केतु	06/04/2096	शुक्र	01/07/2104	सूर्य	18/11/2120	चंद्र	06/02/2136		00/00/0000
शुक्र	06/12/2097	सूर्य	06/11/2104	चंद्र	20/05/2122	मंगल	12/01/2137		00/00/0000
सूर्य	06/06/2098	चंद्र	07/06/2105	मंगल	08/06/2123	राहु	08/06/2139		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।